प्रत्येक सोमवार को हल्द्वानी से प्रकाशित

Tittle Code - UTTHIN05123

कुमाऊं जनसंदेश

वर्ष–1 अंक–1 हल्द्वानी (नैनीताल) सोमवार 19 जून 2017 पृष्ठ – 8 मूल्य 2 रूपये

विदेश से भी खींच लाई बाबा की शक्ति

कैंची धाम में उमड़ा भक्तों का सैलाब

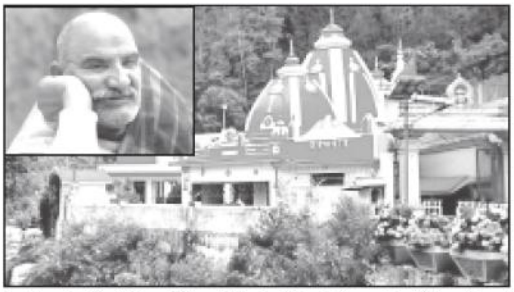

हल्द्वानी। हर साल 15 जून को भवाली स्थित कैंची आश्रम में लगने वाले मेले में भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। विदेशों से भी भक्त नीम करौली बाबा के दर्शन को पहुंचे थे। सुबह से शाम तक बाबा के दर्शन को दूरदराज से भक्तों का आना जारी था। यातायात व्यवस्था बनाने में पुलिस मुस्तैदी से जुटी रही। भक्तों की इतनी भीड़ मंदिर के बाहर जमा हो गई कि फोर्स तैनात करनी पड़ी। बाबा नीम करौली के कैंची धाम में प्रतिष्ठा दिवस के मौके पर श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ पड़ा। भक्तों की संख्या एक लाख से ज्यादा होने का अनुमान लगाया जा रहा है। गुरुवार को भवाली–अल्मोड़ा रोड पर सुबह चार बजे से ही भक्तों की लंबी लाइन लग गई। ये सिलसिला गुरुवार देर रात तक चलेगा। इसको ध्यान में रखते हुए भवाली–अल्मोड़ा रोड पर भारी वाहन नहीं चले। सभी भारी वाहन रामगढ़ होकर जा रहे हैं।गुरुवार को कैंची धाम में लगे मेले में मंदिर के बाहर कई किमी. तक लंबी लाइन लग गई। लोग सुबह से ही दर्शनों के लिए लाइन में लग गए। लाइन में बैठकर अपनी बारी का इंतजार करते भक्त। बता दें कि कैंची धाम नीम करौली बाबा का धाम है। इन का जिक्र पीएम नरेंद्र मोदी और फेसबुक के फाउंडर मार्क जुकरबर्ग ने किया था।

नीम करौली बाबा को हनुमान जी का अवतार माना जाता है। मेले के दौरान पुलिस मुस्तैदी से व्यवस्था संभालने में जुटी हुई थी।

नमस्कार...

आप सभी को सादर अभिवादन, आज आपके हाथ में एक नए साप्ताहिक समाचार पत्र के रूप में कुमाऊं जनसंदेश का पहला अंक है। यह सब आपके सहयोग और हौसला अफजाई से ही संभव हो सका है। तमाम चुनौतियां होने के साथ ही आपका सहयोग हमारे इरादे को और मजबूत करेगा। साप्ताहिक समाचार पत्र होने के नाते जनसरोकारों और समाज में घटित घटनाक्रमों को विस्तार तक आप तक पहुंचाना मुख्य उददेश्य है। हमारा मानना है कि नकारात्मकता के बजाए सकारात्मक घटनाक्रमों को अच्छे से पाठकों तक पहुंचाया जाए तो इससे अच्छा कार्य करने वालों का मनोबल बढ़ेगा ही साथ ही अन्य लोग भी प्रेरित हो सकेंगे। हमें उम्मीद है कि आप सभी का कुमाऊं जनसंदेश को अपने उद्देश्य को पूरा करने में हरसंभव सहयोग और प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही सुझाव और राय भी। ताकि और बेहतर करने के प्रयासों को पंख लग सकें। आप सभी का आभार–

– विनोद पनेरू

कुमाऊं जनसंदेश के प्रथम अंक के प्रकाशन की

हार्दिक शुभकामनाएं

जगतार बाजवा

समाजसेवी, पर्यावरण प्रेमी

एवं कांग्रेसी नेता

बाजपुर, उधमसिंहनगर

कुमाऊं जनसंदेश के प्रथम अंक के प्रकाशन की

हार्दिक शुभकामनाएं

हरीश पनेरू

समाजसेवी एवं वरिष्ठ

कांग्रेसी नेता

किच्छा, उधमसिंहनगर

कुमाऊं जनसंदेश के प्रथम अंक के प्रकाशन की हार्दिक शुभकामनाएं

सुशील उनियाल

उक्रांद नेता

हल्द्वानी, (नैनीताल)

जीवन राय

एडवोकेट, कामर्शियल टैक्स एंड इनकम टैक्स

आवास विकास, रुद्रपुर, उधमसिंहनगर

वाईसी पांडेय

महाप्रबंधक

उद्योग विभाग

रुद्रपुर, उधमसिंहनगर

विनीत कुरील

अधिशासी अभियन्ता

ग्रामीण निर्माण विभाग, रुद्रपुर, उधमसिंह नगर

जीपी दुर्गापाल

सहायक प्रबंधक उद्योग विभाग

रुद्रपुर, उधमसिंह नगर

आरसी तिवारी

उपनिदेशक, यूआईआरडी

रुद्रपुर

(उधमसिंहनगर)

अजय मित्तल

पर्यावरण प्रेमी एवं बिल्डिंग डेवलपर

रुद्रपुर, उधमसिंहनगर

कार्यालय जिला पंचायत, ऊधमसिंह नगर

उधमसिंह नगर के ग्रामीण क्षेत्र के समस्त व्यवसायियों से अनुरोध है कि वे जिला पंचायत के कर एवं लाइसेंस का भुगतान यथाशीघ्र इसी वित्तीय वर्ष में जमा करने का कष्ट करें। जिला पंचायत ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों हेतु सदैव तत्पर है।

समस्त ग्रामवासियों से अनुरोध है कि वे अपने आस–पास के क्षेत्र में सफाई व्यवस्था सुचारू रूप से बनाएं रखें।

संदीप चीमा — **उपाध्यक्ष**

एवं

ईश्वरी प्रसाद गंगवार — **अध्यक्ष**

समस्त सदस्य जिला पंचायत उधमसिंह नगर

कुमाऊं जनसंदेश के प्रथम अंक के प्रकाशन की हार्दिक शुभकामनाएं

हेमा बिष्ट
डिप्टी कमिश्नर
रुद्रपुर (उधमसिंहनगर)

पल्लवी बिष्ट
जिला बचत अधिकारी
रुद्रपुर (उधमसिंहनगर)

अनुभा जैन
जिला सेवा योजन अधिकारी
रुद्रपुर (उधमसिंहनगर)

भुवन पांडे
असिस्टेंट कमिश्नर
रुद्रपुर (उधमसिंहनगर)

आशीष ठाकुर
असिस्टेंट कमिश्नर
रुद्रपुर (उधमसिंहनगर)

संतोष सिंह
असिस्टेंट कमिश्नर
सतसुईया (उधमसिंहनगर)

नन्दन गिरी
वाणिज्यकर अधिकारी
रुद्रपुर (उधमसिंहनगर)

राहुल कांत आर्य
वाणिज्यकर अधिकारी
रुद्रपुर (उधमसिंहनगर)

भूपेश सी दुम्का
एडवोकेट, कामर्शियल
टैक्स (वैट), रुद्रपुर

कुमाऊं जनसंदेश के प्रथम अंक के प्रकाशन की हार्दिक शुभकामनाएं

कमल किशोर भट्ट
जिला पंचायत सदस्य
हरसान बाजपुर, उधमसिंहनगर

कुमाऊं जनसंदेश के प्रथम अंक के प्रकाशन की हार्दिक शुभकामनाएं

संजय पांडे
(सागर)
ग्राम प्रधान, गुनियालेख
मो. 9761111650

सम्पादकीय

किसानों की बात सुनें

महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में उग्र रूप ले चुका किसानों का आंदोलन फिलहाल इन राज्यों की सरकारों के साथ किसान प्रतिनिधियों की बातचीत और दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों की कुछेक घोषणाओं के बाद फौरी तौर पर थम गया है। जगह–जगह व्याप्त तनाव कम हो गया हैए कुछ पूर्वघोषित कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए हैं लेकिन आंदोलन वापसी की बात किसानों की तरफ से नहीं कही गई है। महाराष्ट्र की घोषणाओं के केंद्र में कर्जमाफी है जिसके कुछ ब्योरे आने अभी बाकी हैं। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि उपजों को न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम कीमत पर खरीदे जाने को अपराध घोषित कर दिया है और मंदसौर में मारे गए छह किसानों की मौत के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा दिलाने की बात कही है। महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस ने पांच एकड़ से कम जमीन वाले छोटे और सीमांत किसानों के कर्जे एकमुश्त माफ करने की घोषणा की है जबकि बाकी किसानों की कर्जमाफी के लिए एक समिति का गठन किया है।

दोनों राज्यों में किसानों द्वारा उठाए गए मुद्दे काफी व्यापक हैं। इनमें कुछ का आंशिक समाधान इन घोषणाओं से हो सकता है लेकिन मुख्यमंत्रियों के अब तक के रवैये को देखते हुए इनके लागू होने को लेकर किसानों में संदेह है। यही घोषणाएं आंदोलन शुरू होने के तुरंत बाद कर दी गई होतींए राज्य प्रशासन ने हेकड़ी दिखाने के बजाय बातचीत का रुख अपनाया होता तो हालात इतने बेकाबू न होते और सरकार की बात का वजन भी ज्यादा होता लेकिन पूरे देश में बीजेपी को लगातार मिल रही राजनीतिक सफलता का ही नतीजा था कि मुख्यमंत्रियों ने किसानों को हल्के में लेने की गलती की।

असल में दोनों मुख्यमंत्रियों की ये घोषणाएं समस्या के समाधान से ज्यादा एक बहुत बड़ी समस्या के सिर उठाने का संकेत दे रही हैं। देश के सभी राज्यों मेंए खासकर उनमें जहां बीजेपी का राज चल रहा हैए किसानों के बीच यह चर्चा जोर पकड़ चुकी है कि अगर वे भी मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की तरह मजबूती से कर्जमाफी और फसलों के वाजिब दाम का मुद्दा उठाएं तो राज्य सरकारों को झुक कर उनकी मांग माननी पड़ेगी। इस चर्चा का पहला असर गुजरात में देखने को मिल सकता है जहां इसी साल चुनाव होने वाले हैं। राजस्थान में ऐसा ही आंदोलन शुरू होने की बात कई दिन से चल रही है। पूरे देश में सतह के नीचे मौजूद किसान असंतोष को समवेत स्वर देने के लिए किसान संगठनों की राष्ट्रीय समन्वय समिति ने कुछ दिनों के शांतिपूर्ण विरोध कार्यक्रमों के बाद 16 जुलाई को सभी राष्ट्रीय राजमार्गों पर तीन घंटे के चक्का जाम की घोषणा की है। समय आ गया है कि इस मामले में केंद्र सरकार अपनी तरफ से पहल करके किसान संगठनों से बात करेए उनकी मुश्किलें समझे और उनके समाधान में किसान प्रतिनिधियों को भी भागीदार बनाए।

किच्छा में जल्द बनेगा डिग्री कालेज

मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र रावत ने विकास कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

रुद्रपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनता तक यह सन्देश पहुंचना चाहिए कि प्रदेश में सरकार बदली है। उन्होंने कहा कि अधिकारी वर्ग जनता की समस्याओं को धैयपूर्वक सुने और जनसमस्याओं का निस्तारण तेजी से करें। उन्होंने कहा कि इस बात का विशेष ध्यान रहे कि जनपद की जनता को बिजली व पानी की दिक्कतें न होने पायें। उन्होंने कहा कि शहरी व ग्रामीण हर क्षेत्र में जंहा तक बिजली व पेयजल की पहुंच है वहां बिजली व पेयजल की आपूर्ति सुचारु रुप से की जाय। उन्होंने कहा कि डायरिया का सीजन चल रहा है इसलिए स्वास्थ्य महकमा चौकन्ना रहकर कार्य करें। गरीब वर्ग को स्वास्थ्य सेवाओं का समुचित लाभ दिया जाय। रावत ने यह निर्देश कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में दिये। मुख्यमंत्री ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जिन क्षेत्रों में विद्युत कटौती व शटडाउन किया जाता है इसकी सूचना शोसल मीडिया व प्रिन्ट मीडिया के माध्यम से स्थानीय जनता को अवश्य दे दी जाय।

रावत ने कहा कि जनपद के किसानों को सिचांई हेतु पर्याप्त जल की आपूर्ति की जाय। उन्होंने उद्यान व कृषि विभाग के अधिकारियों को किसानों को पौध रोपण सहित पौधों की किस्मों व फल देने की अवधि आदि की सम्पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिये ताकि किसान फलोत्पादन का समुचित लाभ लें सकें। उन्होंने कहा उद्यान के क्षेत्र में टिसु कल्चर को अधिक महत्व दिया जाय।

रावत ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि जनपद में मजदूर व गरीब वर्ग डायरिया से अधिक प्रभावित रहता है इसलिए मजदूर व गरीब वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ अवश्य पहुचंना चाहिए। रावत ने राजस्व विभाग को वर्ग चार व वर्ग 01(ख) सम्बन्धी भूमि मामलों के निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश दिये। उन्होंने विभिन्न न्यायालयों में लम्बित वादों का निस्तारण शीघ्र किये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि जनपद में जल संरक्षण व संवर्धन के लिए मनरेगा से डवटेलिंग करते हुए अधिक से अधिक प्रस्ताव बनाये जायें। उन्होंने कहा कि गन्ना किसानों का 44 करोड रुपये का बकाया भुगतान शीघ्र करवाया जायेगा। रावत ने कहा कि काशीपुर बाईपास, गाबाचौक बाईपास व किच्छा में आदित्य चौक से डीडी चौक तक विस्तारीकरण कार्य हेतु प्रस्ताव बनाकर शासन को उपलब्ध करायें ताकि इस हेतु धनराशि उपलब्ध करायी जा सके। बैठक में जिलाधिकारी डॉ0 नीरज खैरवाल द्वारा पावर प्रजेन्टेशन के माध्यम से जनपद में किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी गयी। जिलाधिकारी ने कार्यालयों में बायोमेट्रिक मशीन व सीसीटीवी कैमरे लगाये जाने, जिला मुख्यालय में स्थापित जन शिकायत निवारण केन्द्र सहित राजकीय कार्यों में उठाये गये सुधारात्मक कदमों की जानकारी दी।

एक अन्य कार्यक्रम में रावत द्वारा शिवनगर से ट्रांजिट कैम्प तक 2.25 किमी सड़क बनाने व किच्छा में डिग्री कालेज बनाने की घोषणा की गयी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में चिकित्सा व स्वास्थ्य सेवाओं पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है इसके लिए प्रदेश सरकार आर्मी के सेवा निवृत चिकित्सकों को तैनात करने के साथ चिकित्सालयों में चिकित्सकों की कमी को दूर करने के लिए तमिलनाडु, उडीसा व महाराष्ट्र से भी चिकित्सकों का चयन करेगी। उन्होंने कहा तीन माह के भीतर चिकित्सकों की कमी दूर कर ली जायेगी। उन्होंने कहा उत्तराखण्ड के स्थायी निवासियों को राज्य में कार्य करने हेतु 05 करोड रुपये तक के ठेके दिये जायेगें। उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्रों के लिए पूर्व में 243 करोड का बजट रखा गया था जिसे बढाकर 587 करोड कर दिया गया है। उन्होंने कहा रुद्रपुर में रिंग रोड बनाने व ट्रचिंग ग्राउण्ड हेतु प्रस्ताव बनाकर शीघ्र उपलब्ध कराये।

इस अवसर पर विधायक राजकुमार ठुकराल व राजेश शुक्ला, पूर्व सांसद बलराज पासी, शिव अरोडा, एसएसपी सदानन्द दांते, सीडीओ आलोक कुमार पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कुमाऊं जनसंदेश के प्रथम अंक के प्रकाशन की हार्दिक शुभकामनाएं

मण्डी का यही प्रयास उत्तराखण्ड का हो समग्र विकास

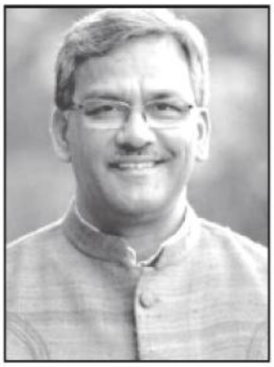

श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत
मा. मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड कृषि उत्पादन विपणन बोर्ड

श्री सुबोध उनियाल
मा0 मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा
विपणन पर्वतीय इलाको में चकबंदी
चारा एवं चारागाह विकास, रेशम विकास
ग्राम्य तालाब विकास, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड कृषि उत्पादन विपणन बोर्ड

सुधारात्मक कार्य

- उत्तराखण्ड कृषि उत्पादन (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 2011 में
- संविदा खेती
- निजी मण्डियों
- उपज की सीधी खरीद जैसे सुधारात्मक कदम

आधुनिकीकरण

- कम्प्यूटरीकृत मण्डियां
- इलेक्ट्रॉनिक धर्मकांटे व सीसीटीवी नेटवर्क
- **www.ukapmb.org, agmarknet.nic.in** तथा डिस्पले बोर्ड के माध्यम से बाजार भावों का प्रदर्शन
- किसान हेल्प लाईन– **Toll Free No-18001024608**
- हरिद्वार, काशीपुर, गदरपुर, किच्छा सितारगंज ई–राष्ट्रीय कृषि बाजार (ई–नाम) परियोजना के साथ जोड़ी गयी।

विकास कार्य

- 1047 कि0मी0 सड़कें
- 2538 हैण्ड पम्प
- 07 रज्जू मार्ग
- 14 संग्रह केन्द्र
- 06 कृषक–उपभोक्ता बाजार निर्माणाधीन

कल्याणकारी योजनायें

- कृषि छात्रों को छात्रवृत्ति
- किसानों को कृषि कार्य के दौरान दुर्घटना पर त्वरित सहायता
- पर्वतीय जैविक उत्पाद हेतु मल्टी ग्रेन प्रोसेसिंग प्लान्ट रुद्रपुर में स्थापित
- निःशुल्क फलदार पौधों का वितरण
- कोरगेट बॉक्स का वितरण

बी०एस० चलाल (PCS)
महाप्रबन्धक

धीराज सिंह गर्ब्याल (IAS)
प्रबन्ध निदेशक

कुमाऊं जनसंदेश के प्रथम अंक के प्रकाशन की हार्दिक शुभकामनाएं

अखिलेश कुमार मिश्र

जिला कार्यक्रम अधिकारी

रुद्रपुर, उधमसिंहनगर

गिरीश चंद्र परगांई

सेनानी उत्तराधिकारी
एवं पूर्व जिला युवा
कल्याण अधिकारी

रुद्रपुर, उधमसिंहनगर

मै. पर्वतीय एजेंसीज

एशियन पेंटस कलर वर्ड

प्रो. संजय पंत

कालाढूंगी रोड, मुखानी, हल्द्वानी

राजेंद्र तिवारी

उप निदेशक

अर्थ एवं संख्या विभाग

हल्द्वानी, नैनीताल

चंद्रमोहन पनेरू

समाजसेवी एवं राजकीय ठेकेदार

सरना, धारी, नैनीताल

अक्षय कुमार चौधरी

सहायक अभियंता

डीआरडीए

रुद्रपुर, उधमसिंहनगर

प्रदीप जोशी

अध्यक्ष

राज्य कर्मचारी
संयुक्त परिषद

रुद्रपुर, उधमसिंहनगर

रवि दानी

जूनियर इंजीनियर

लोक निर्माण विभाग

रुद्रपुर, उधमसिंहनगर

कुमाऊं जनसंदेश के प्रथम अंक के प्रकाशन की हार्दिक शुभकामनाएं

आरके सिंह

सहायक
अभियंता
लघु सिंचाई

रुद्रपुर, उधमसिंहनगर

पशु पालन विभाग की योजनाओं का लाभ उठाएं। पशु रोगों के निदान, चिकित्सा व परामर्श के लिए नजदीकी पशु चिकित्सालय/केन्द्र में सम्पर्क करें।

डा रवींद्र चंद्रा

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी

रुद्रपुर, उधमसिंहनगर

दीप चंद्र जोशी

जिलाध्यक्ष
पशुपालन, मत्स्य एवं डेरी विभाग
मिनिस्ट्रियल एसोसिएशन, जनपद
उधमसिंहनगर, 9012888999

ललित मोहन

ईई, आरइएस
हरिद्वार

एमएस नागन्याल

जिला युवा
कल्याण अधिकारी
रुद्रपुर, उधमसिंह नगर

हेम चंद्र कांडपाल

एमडीआरडी
अवार्ड प्राप्तकर्ता
एलआईसी अभिकर्ता

रुद्रपुर, उधमसिंहनगर

धीरज भट्ट

यूआईआरडी
रुद्रपुर, उधमसिंहनगर

कमलेश कुमार माजिला

जोवीज हर्बल केयर
प्लाट नम्बर 16
सेक्टर तीन

सिडकुल पंतनगर, उधमसिंहनगर मो0–9759870608

सम्पादक : विनोद चन्द्र पनेरू

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक तथा सम्पादक **विनोद चन्द्र पनेरू** द्वारा भीड़ापानी–ओखलकाण्डा, प्रिंटिंग प्रेस, भोलानाथ गार्डन, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित तथा तल्ली बमौरी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित। मोबा.– 9410354318, 9012515795 E-mail:- vinodpaneru123@gmail.com

भोले के दर्शन को भक्तों में उत्साह अपार

कुमाऊं मंडल विकास निगम कर रहा श्रद्धालुओं की राह आसान

अब तक 15031 यात्री कर चुके हैं कैलास पर्वत के दर्शन

हल्द्वानी। यह आस्था ही है जो तमाम दुश्वारियां और दुर्गम रास्ते होने के बाद भी भक्तों को भोले के दरबार खींच लाती है। साल दर साल कैलास मानसरोवर जाने वाले यात्रियों की संख्या में इजाफ हो रहा है। यही वजह है कि कुमाऊं मंडल विकास निगम भी यात्रियों को सुगम और सफल यात्रा कराने के लिए पूरी सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। इसके लिए अब यात्री दलों की संख्या में भी बढ़ोत्तरी कर दी गई है। वहीं कुमाऊं मंडल विकास निगम भी मानसरोवर यात्रियों को हरसंभव सुविधा दिलाने में जुटा हुआ है। कुमंविनि प्रबंध निदेशक धीराज गर्ब्याल ने बताया कि यात्रियों को बेहतर सुविधा देने के पूरे प्रयास किये जा रहे हैं। इसके लिये विभिन्न यात्रा पड़ाव में बनाये गये टूरिस्ट गेस्ट हाउसों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है।

धीराज गर्ब्याल
एमडी कुमंविनि

यहां बता दें कि कैलास मानसरोवर आदिकाल से ही भगवान शिव का निवास स्थान रहा है। चीन के सुदूर पश्चिम में पृथ्वी का एक उच्चतम व नितांत पवित्र स्थल कैलास पर्वत स्थित है। यह स्थल हिंदू, बौद्ध, जैन धर्मावलंबियों की आस्था का पवित्र स्थल है। पवित्र कैलास मानसरोवर यात्रा विदेश मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशन में कुमाऊं मंडल विकास निगम द्वारा वर्ष 1981 से लगातार संचालित की जा रही है। कोई भी भारतीय नागारिक विदेश मंत्रालय द्वारा मांगे गये आवेदन पत्र के क्रम में चयन के फलस्वरूप यात्रा में भाग ले सकता है। इसके लिए उम्र की सीमा न्यूनतम 18 वर्ष एवं अधिकतम 60 वर्ष नियत की गयी है। यह यात्रा जनपद पिथौरागढ़ के नारायण स्वामी आश्रम नामक स्थान से आगे कठिन पैदल मार्ग से तथा लिपूलेख ऊंचाई 5100 मीटर से होकर गुजरती है। यात्रा में भारतवर्ष के सभी प्रांतों के यात्री प्रतिभाग करते है। वर्ष 1981 से लेकर वर्ष 2016 तक कुल 15031 यात्रियों द्वारा यात्रा पूर्ण की जा चुकी है। कुमाऊं मण्डल विकास निगम द्वारा यात्रियों को दिल्ली से काठगोदाम तक उत्तराखंड राज्य परिवहन निगम की आरामदायक वॉल्वों बसों से एवं काठगोदाम से धारचूला तक आरामदायक वाहनों से ले जाया जाता है। यात्रा संचालन में परिवहन, चिकित्सा, पेयजल, जिला प्रशासन, लोनिवि, जल संस्थान, जल निगम, डीजीवीआर, आईटीबीपी, बीआरओ, एसएसबी व जिलापूर्ति कार्यालय द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाता है। इस वर्ष यात्रा वाया चौकोड़ी, डीडीहाट होते हुये, धारचूला ले जाई जा रही है। साथ ही यात्रा के पैदल मार्ग स्थित शिविरों सिरखा, गाला, बूँदी, गुंजी, कालापानी, नाभीढांग में यात्रियों की सुविधा हेतु अतिरिक्त एफआरपी हट्स निर्मित करते हुए आवासीय सुविधा बढ़ाई गयी है। यात्रियों के भोजन को रूचिकर बनाने हेतु उन्हें स्वादिष्ट भोजन के साथ-साथ कुमाऊंनी व्यंजन भी उपलब्ध कराये जा रहे हैं।

पर्यावरण की खातिर पैसों की भी परवाह नहीं

अपने दम पर शिप्रा नदी की सफाई में जुटे हैं जगदीश

हल्द्वानी। प्रकृति, जल और पर्यावरण संरक्षण का हमारे लिये कितना महत्व है शायद यह जगदीश नेगी अच्छे से समझते हैं। तभी तो वे भवाली नगर के करीब से गुजरने वाली शिप्रा नदी की सफाई में जीजान से जुटे हैं।

वे खुद तो नदी की सपफाई का बीड़ा उठा ही रहे हैं साथ ही लोगों को भी जागरूक कर अपने साथ शामिल कर रहे हैं। खास बात है कि पर्यावरण, नदी व जल संरक्षण को धन में रखते हुए वे पैसों की भी परवाह नहीं करते। शिददत से नदी की सफाई में जुटे नेगी दावा करते हैं कि वे खुद इस कार्य में डेढ़ लाख रुपये लगा चुके हैं। भवाली निवासी जगदीश नेगी जो की शिप्रा कल्याण समिति के अध्यक्ष हैं। पिछले 1.5 साल से भवाली की उत्तर वाहिनी नदी शिप्रा को अपने दम पर साफ करवा रहे हैं। अभी तक नेगी तीन किमी के दायरे में नदी को चार बार साफ कर चुके हैं। नेगी ने अपने दम पर और अपने पास से पैसा लगाकर नदी को साफ करवाया है। नेगी बताते हैं कि मैंने खुद का डेढ़ लाख और लोगों से सहयोग लेकर कुल तीन लाख रुपया नदी में लगा दिया है। वहीं लोगों से सहायता जमा करके भवाली पालिका को 75000 के 15 कूड़ेदान भी खरीदकर दिए। बताते हैं कि हमारे काम का भवाली में व्यापक असर पड़ा है। अब लोगों में भी जागरूकता बड़ी है। पहले जहां शिप्रा नदी को लोग कूड़ेदान की तरह प्रयोग करते थे। अब लोग नदी में बहुत कम कूड़ा कचरे को फेंकते हैं। नेगी 1.5 साल में अब तक शिप्रा नदी से 100 टन से ज्यादा कचरा निकाल चुके हैं। उन्होंने दो बार जिलाधिकारी से कहकर लोगों को पालिका द्वारा नदी से सीवर हटाने के लिए नोटिस भी भिजवाएं हैं।

मगर नदी से सीवर लाइन्स नहीं हट रही हैं। हालांकि इन्हें हटवाने को लेकर वे प्रयासरत हैं। नेगी बताते हैं कि शिप्रा नदी के किनारे अवैध रूप से 100 से ज्यादा सूअर पाले गए हैं।

ये दिन भर नदी और आस पास के क्षेत्र को प्रदूषित करते रहते हैं। बताया कि नदी की पूरी सफाई कराने तक मुहिम जारी रहेगी। इसके लिए लोगों को और जागरूक किया जाएगा। नेगी की सफाई व पर्यावरण संरक्षण के प्रति नेगी की मुहिम वास्तव में काबिले तारीफ है।